Exam. Code : 103203
Subject Code : 1107

B.A./B.Sc. Semester—III

HINDI ELECTIVE

(Madhyaugeen Kavya, Itihas, Vyakaran Tatha Kavyang)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

खण्ड—एक

1. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** पंक्ति में दीजिए :— 1×20=20

(क) उपमान क्या है ?
(ख) अलंकार से क्या अभिप्राय है ?
(ग) प्रतीक कौन-सा अलंकार है ?
(घ) रूपक कौन-सा अलंकार है ?
(ङ) यमक कौन-सा अलंकार है ?
(च) उपमा अलंकार क्या है ?
(छ) व्यंजन क्या है ?
(ज) हिन्दी में कितने व्यंजन हैं ?
(झ) 'पुस्तक' शब्द का वचन बदलिए।
(ञ) 'पृथ्वी शब्द स्त्रीलिंग है या पुल्लिग ?
(ट) 'लड़का' शब्द का वचन बदलिए।
(ठ) 'मूर्ख' शब्द का लिंग बदलिए।
(ड) 'ताजा' शब्द का वचन बदलिए।

http://www.gnduonline.com

(ढ) 'होश' शब्द एकवचन है या बहुवचन ?
(ण) 'स्वागत' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।
(त) 'उज्जवल' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।
(थ) 'निरुपाय' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।
(द) उत्+चारण में संधि कीजिए।
(ध) पो+अन में संधि कीजिए।
(न) उत्+नति में संधि कीजिए।

खण्ड—दो

2. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 6×3=18

(क) कबीर सुमिरण सार है, और सकल जंजाल।
आदि अंति सब सोधिया, दूजा देखौ काल।।
(ख) ऊँचै कुल का जनमियाँ, जे करणीं ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरै भर्‌या, साधू निंद्या सोइ।।
(ग) सुणिऐ सतु संतोखु गिआनु। सुणिऐ अठसठि का इसतानु।
सुणिऐ पड़ि पड़ि पावहि मानु। सुणिऐ लागै सहजि धिआनु।
नानक भगता सदा विगासु। सुणिऐ दूख पाप का नासु।।
(घ) बड़ी है राम नाम को ओट।
सरन गऐं प्रभु काढ़ि देत नहिं करत कृपा कैं कोट।
बैठत सबै सभा हरि जू की, कौन बड़ो को छोट ?
सूरदास पारस के परसैं मिटति लोह की खोट।।
(ङ) जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह।
धरती पर ही परत है, सीत घाम अरु मेह।।
(च) या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यौं ज्यौं बूड़ै स्याम रँग, त्यौं त्यौं उज्जलु होइ।।

http://www.gnduonline.com

3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **दो-दो** पृष्ठों में दीजिए :— 6×4=24

(क) गुरु नानक देव का जीवन परिचय दीजिए।

(ख) 'काव्य-उत्कर्ष' में संकलित गुरु नानक देव के काव्य का सार लिखिए।

(ग) गुरु तेग बहादुर का जीवन परिचय दीजिए।

(घ) 'काव्य-उत्कर्ष' में संकलित गुरु तेग बहादुर के काव्य का सार लिखिए।

(ङ) रविदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(च) रविदास का भक्ति की विवेचना कीजिए।

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर **दो** पृष्ठों में दीजिए :— 6×1=6

(क) रूपक अलंकार की परिभाषा उदाहरणसहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) अनुप्रास अलंकार की परिभाषा उदाहरणसहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—तीन

5. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **पाँच-पाँच** पृष्ठों में दीजिए :— 16×2=32

(क) कबीर के जीवन एवं साहित्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) तुलसी के जीवन एवं साहित्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) आदिकाल की परिस्थितियों की विवेचना कीजिए।

(घ) आदिकाल की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

http://www.gnduonline.com